IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, September 2025
Impact Factor: 7.67

राजस्व नीतियाँ: मध्यकालीन भू-राजस्व व्यवस्था और ब्रिटिश जमींदारी प्रणाली की तुलना

डॉ रूपा कुमारी

तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय,भागलपुर

सार :

इस अध्ययन का उद्देश्य मध्यकालीन भारत की भू-राजस्व व्यवस्था और ब्रिटिश काल की जमींदारी प्रणाली के बीच तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करना है। मुगलकालीन दहसाला प्रणाली, जब्ती व्यवस्था और ब्रिटिश स्थायी बंदोबस्त के विविध पहलुओं की जांच कर, इस शोध में दोनों व्यवस्थाओं के सामाजिक-आर्थिक प्रभावों का तुलनात्मक मूल्यांकन किया गया है। मिश्रित अनुसंधान पद्धति का उपयोग करते हुए, 1560-1947 के कालखंड के ऐतिहासिक दस्तावेजों और द्वितीयक स्रोतों का विश्लेषण किया गया। परिणाम दर्शाते हैं कि मुगलकालीन व्यवस्था में जमींदार केवल राजस्व संग्राहक थे जबकि ब्रिटिश व्यवस्था में वे भूमि के स्वामी बन गए। मुगल व्यवस्था अपेक्षाकृत लचीली थी और कृषि उत्पादन पर आधारित थी, जबकि ब्रिटिश व्यवस्था कठोर और शोषणकारी थी। इस अध्ययन से पता चलता है कि ब्रिटिश जमींदारी प्रणाली ने भारतीय कृषि में गहरी संरचनात्मक समस्याएं उत्पन्न कीं जो आज भी प्रासंगिक हैं।

मुख्य शब्द: भू-राजस्व, जमींदारी प्रणाली, मुगल काल, ब्रिटिश शासन, स्थायी बंदोबस्त, दहसाला प्रणाली

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-28947

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 1, September 2025
Impact Factor: 7.67

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-28947